

प्रिय मित्रों,

मुझे विश्वास है, आपने कई बार सुना होगा कि जहां स्वच्छता होती है वहीं देवताओं का वास होता है, लेकिन जब व्यवहारिकता की बात आती है तो स्थिति अक्सर विपरीत मिलती है।

हम, 02 अक्टूबर को भारत को स्वच्छ बनाने के लिए बड़े स्तर पर जन आंदोलन “स्वच्छ भारत अभियान” आरम्भ कर रहे हैं। वर्ष 2019 में जब हम बापू की 150वीं जयंती मना रहे होंगे तो एक स्वच्छ भारत उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगा। महात्मा गांधी ने अपना पूरा जीवन स्वराज्य प्राप्ति के लिए अर्पित कर दिया, अब समय आ गया है कि हम अपनी मातृभूमि की स्वच्छता के लिए स्वयं को समर्पित कर दें।

मैं, आप में से हरेक से आग्रह करता हूं कि स्वच्छता के लिए प्रत्येक सप्ताह दो घंटे यानि प्रतिवर्ष लगभग एक सौ घंटे का योगदान दें। हम अब भारत को और अधिक अस्वच्छ नहीं रहने दे सकते। 02 अक्टूबर को मैं स्वयं इस पावन कार्य के लिए झाड़ू लेकर निकलूंगा।

मैं, आज हरेक उस व्यक्ति, विशेषकर राजनीतिक और धार्मिक नेताओं, महापौर, सरपंचों और उद्योग जगत के अग्रजों से अपील करता हूं कि वे शहरों और आसपास के क्षेत्रों, गांवों, कार्यस्थलों और यहां तक कि अपने घरों की स्वच्छता की कार्य-योजना बनाकर मनोयोग से उसे क्रियान्वित करने में जुट जाएं। मैं, स्वच्छ भारत के निर्माण के इस सामूहिक प्रयास में आप सबकी भागीदारी और सक्रिय योगदान का अनुरोध करता हूं।

आपका,

नरेंद्र मोदी

Dear Friends,

I am sure you have heard time and again that cleanliness is next to Godliness. Alas, things are often different when it comes to putting this into practice.

On 2nd October we are launching Swachh Bharat Mission, a massive mass movement, that seeks to create a Clean India. Cleanliness was very close to Mahatma Gandhi's heart. A clean India is the best tribute we can pay to Bapu when we celebrate his 150th birth anniversary in 2019. Mahatma Gandhi devoted his life so that India attains 'Swarajya'. Now the time has come to devote ourselves towards 'Swachhata' (cleanliness) of our motherland.

I urge every one of you to devote at least hundred hours every year, that is two hours every week towards cleanliness. We can't let India remain unclean any longer. On 2nd October I myself will set out with a broom and contribute towards this pious task.

Today, I appeal to everyone, particularly political and religious leadership, mayors, sarpanchs and captains of industry to plan and wholeheartedly engage in the task of cleaning your homes, work places, villages, cities and surroundings. I request your active support and participation in our collective quest to make a Swachh Bharat.

Yours,

Narendra Modi

প্রিয় বন্ধুগণ,

আমি নিশ্চিত, পরিচ্ছন্নতাই ঈশ্বরের কাছাকাছি নিয়ে যায় - একথা আপনারা প্রায়শই শুনেছেন। কিন্তু ব্যবহারিক জীবনে অধিকাংশ ক্ষেত্রেই তা আর হয়ে ওঠে না।

২ অক্টোবর আমরা স্বচ্ছ ভারত মিশন শুরু করছি। এটি একটি ব্যাপক গণ-আন্দোলন, যা পরিচ্ছন্ন ভারত গড়ে তুলতে চায়। পরিচ্ছন্নতা ছিল মহাত্মা গান্ধীর অত্যন্ত প্রিয় বিষয়। ২০১৯-এ আমরা যখন বাপু'র সার্থ শতজন্মবার্ষিকী উদযাপন করব, তখন একটি পরিচ্ছন্ন ভারত গড়ে তুলে তাঁকে আমরা গভীর শ্রদ্ধা জানাতে পারি। ভারত যাতে 'স্বরাজ্য' অর্জন করতে পারে সেজন্য মহাত্মা গান্ধী তাঁর সমস্ত জীবন উৎসর্গ করেছিলেন। আমাদের মাতৃভূমির স্বচ্ছতা'র লক্ষ্যে নিজেদেরকে উৎসর্গ করার সময় এখন উপস্থিত হয়েছে।

আমি আপনাদের প্রত্যেককে পরিচ্ছন্নতার লক্ষ্যে প্রতি বছর অন্তত ১০০ ঘন্টা অর্থাৎ, প্রত্যেক সপ্তাহে দু'ঘন্টা করে উৎসর্গ করার আহ্বান জানাচ্ছি। আমরা আর কোনভাবেই ভারতকে বেশি দিন অপরিচ্ছন্ন থাকতে দিতে পারি না। ২ অক্টোবর আমি নিজেই ঝাড়ু হাতে বের হব এবং মহৎ এই কাজে যোগদান করব।

আজ, আমি প্রত্যেককে বিশেষ করে, রাজনৈতিক ও ধর্মীয় নেতা-নেত্রী, মহানাগরিক, সরপঞ্চ ও শিল্পপতিদের আপনাদের ঘরবাড়ি, কর্মক্ষেত্র, গ্রাম ও জনপদ, শহর এবং আশপাশের এলাকাকে পরিচ্ছন্ন করার পরিকল্পনা রচনা করতে এবং সেই কাজে সর্বান্তঃকরণে যুক্ত হতে আবেদন জানাচ্ছি। স্বচ্ছ ভারত গড়ে তুলতে আমাদের সমবেত লক্ষ্যে আপনাদেরকে আমি সক্রিয় সহযোগিতা ও অংশগ্রহণের অনুরোধ জানাচ্ছি।

ভবদীয়,

নরেন্দ্র মোদী